<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

भारत को अक्षय ऊर्जा विजन के लिए वर्ष 2050 तक 10 लाख से अधिक और इंजीनियरों की आवश्यकता: 39वीं भारतीय इंजीनियरिंग कांग्रेस में इरेडा के सीएमडी

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), श्री प्रदीप कुमार दास ने 20 दिसंबर 2024 को कोलकाता में 39वें भारतीय इंजीनियरिंग कांग्रेस द्वारा आयोजित विजनरी टॉक को संबोधित किया। अपने संबोधन में, इरेडा के सीएमडी ने भारत और वैश्विक स्तर पर अक्षय ऊर्जा क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिभा की महत्वपूर्ण आवश्यकता के बारे में बात की। वर्तमान में, भारत अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में रोजगारों के मामले में चौथा सबसे बड़ा देश है, जिसमें वैश्विक स्तर पर ~16 मिलियन रोजगारों में से ~1 मिलियन रोजगारियाँ यहीं हैं। वर्ष 2050 तक, वैश्विक स्तर पर आरई क्षेत्र में ~43 मिलियन रोजगारों की आवश्यकता होगी, जिसमें अकेले भारत में ~8.5 मिलियन रोजगारियाँ होंगी।

अक्षय ऊर्जा क्षेत्र को ~20% इंजीनियरों और शोधकर्ताओं, ~50% कुशल श्रमिकों को 1-2 साल के व्यावसायिक प्रशिक्षण के साथ, ~25% अर्ध-कुशल श्रमिकों और ~5% विपणन और प्रशासनिक कर्मियों की आवश्यकता होगी। इसका मतलब है कि कौशल स्पेक्ट्रम में जनशक्ति की पर्याप्त आवश्यकता है, जिसके लिए जागरूकता, कौशल मेप्पिंग , प्रशिक्षण और प्रमाणन, नौकरी मैचिंग के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर प्रतिभाओं को आकर्षित करने और साझा करने के लिए एकीकृत प्रवासन और वीज़ा रणनीति में 5-आयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

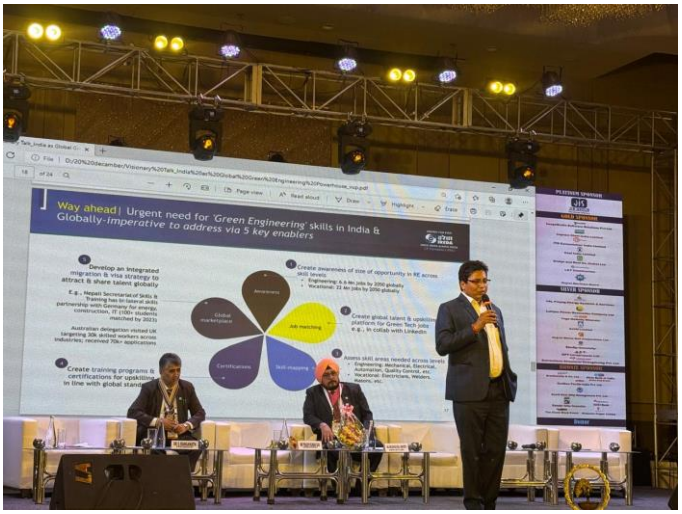

इन जनशक्ति की आवश्यकता के अलावा, इरेडा के सीएमडी ने वर्ष 2030 तक भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) लक्ष्यों को पूरी करने के लिए आवश्यक पर्याप्त निवेश के बारे में बात की, जिसका अनुमान वित्त वर्ष 2024-2030 की अवधि में 30 लाख करोड़ रुपये है।

आज तक, इरेडा ने 1.36 लाख करोड़ रुपये से अधिक का ऋण संवितरण किया है और हरित परियोजनाओं के लिए 2.08 लाख करोड़ रुपये से अधिक ऋण मंजूर किए हैं। इरेडा ने उभरते हुए नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों जैसे इथेनॉल, ईवी फ्लीट फाइनेंसिंग, पंप स्टोरेज हाइड्रोपावर, ग्रीन अमोनिया आदि के लिए अपने पहले-से-बाजार वित्तपोषण उत्पादों के माध्यम से उभरती हुई नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिए बाजार निर्माण का नेतृत्व किया है।

समापन संबोधन में, श्री दास ने भारत के नवीकरणीय ऋण वित्तपोषण क्षेत्र में 10-15% योगदान के लक्ष्य के साथ भारत के हरित क्षेत्र के विकास के लिए उत्प्रेरक की भूमिका निभाने के लिए इरेडा की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।